ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-06-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-06-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-06-21	2023-06-22	2023-06-23	2023-06-24	2023-06-25
वर्षा (मिमी)	1.0	1.0	1.0	3.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	38.0	36.0	35.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	24.0	23.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	75	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	40	40	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	8	10	10	10
पवन दिशा (डिग्री)	70	90	135	100	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	5	7	7	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (13 से 19 जून) में, मौसम कुछ इस प्रकार रहा कि बादल छाए रहे और 1.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। वही अधिकतम और न्यूनतम तापमान 38.5 से 40.4 डिग्री सेल्सियस और 24.0 से 26.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 50 से 84% और शाम 1412 बजे 30 से 38% के बीच पाई गई। इस अवधि के दौरान हवा की गति 3.8 से 16.3 किमी प्रति घंटे तक थी, जबकि हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। पांच दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 21 और 22 जून, 2023 को मैदानी इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/आंधी-तूफान आने की संभावना है, जबकि 24 जून को मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी आने की संभावना है। 23 जून को मैदानी इलाकों में कई अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इस अवधि के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33.0-38.0 डिग्री सेल्सियस और 21.0-24.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा की गति 8-12 किमी प्रति घंटे के होगी और हवा की दिशा ज्यादातर पूर्व-उत्तर-पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व होगी। चेतावनी: 23 और 24 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट दिया गया है, जहां उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बौछार और तेज हवा (हवा की गति) के साथ आंधी-तूफान 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तराखंड के यूएस नगर क्षेत्र में सामान्य से 100% के विचलन के साथ पूर्वानुमानित प्रवृत्ति में कम वर्षा दिखाई दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मिश्रित एनडीवीआई समग्र नक्शा ने संकेत दिया कि एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो जिले में मध्यम कृषि शक्ति का प्रतीक है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ यड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर 23 और 24 जून के लिए अलर्ट जारी किया गया है जिसके मुताबिक़ बिजली गिरने, तेज बौछार और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने का अंदेशा है ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	स्टेज : नर्सरी धान की अगेती पकने वाली किस्मों की नर्सरी की रोपाई जैसे गोविंद, नरेंद्र 118, नरेंद्र 97, साकेत 4 आदि की बुवाई 20 जून तक होनी चाहिए। सुगंधित धान किस्में-प्रकार 3, तरावड़ी बासमती, पूसा बासमती-1, बासमती-370, पंत सुगंध धान 15, पंत सुगंध धान-17, पंत सुगंध धान-21, पूसा सुगंध-2, पूसा सुगंध-3, पूसा सुगंध-4 पूसा-1121, पूसा सुगंध-5, पी.आर.एच. का प्रत्यारोपण 15 से 30 जून के बीच किया जाना चाहिए। धान की रोपाई गीली और सूखी विधि से तैयार की जा सकती है। गीली विधि में रोपण क्षेत्र में 15-20 दिन पहले पानी लगाएं ताकि खरपतवार अंकुरित हो सकें और मैदान तैयार करते समय मैदान में मिश्रित हो जाएं। उपरोक्त खाद को सूखी खाद के साथ मिलाकर खेत तैयार करें और बुवाई @ 500 ग्राम बीज प्रति 10 वर्ग मीटर पंक्तियों में की जानी चाहिए। 5-10 सेमी की दूरी तय करें और बुवाई के बाद पानी लगाएं। कार्बेंडाजिम 50% w.p. @ 2 g/kg के साथ बीज का इलाज करें। अत्यधिक धूप से धान के नर्सरी को बचाने के लिए छायादार जालियों का उपयोग करें।
मक्का	स्टेज : बसंतकालीन मक्का: तुड़ाई और खरीफ मक्का की : बुवाई बारिश के होने का पुर्वनुमान है तो बसंतकालीन मक्का की बारिश से ख़राब होने की सम्भावना है तो मक्की की तुड़ाई वर्षा से पहले ख़तम कर ले। खरीफ मक्के की बुवाई का सही समय जून का दूसरा पखवाड़ा है तो इस पकवाड़े में मक्की की किस्में जैसे तरुण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का -1, पूसा क्लस्टर 3 और 4 का बीज दर 18-20 किलो / हेक्टेयर और 60-75 सेमी की दूरी पर बोएं । सभी प्रकार की कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
मूँग	स्टेज : तुड़ाई मूंग की फसल के पकते ही उसकी तुड़ाई कर लें। तुड़ाई में देरी न करें, अन्यथा फलियों के फटने के कारण दाल जमीन पर गिर जाते हैं। यदि मूंग की फलियां 80 प्रतिशत पकी हुई है तो फलियों को तोड़ ले और पौधों के बचे हुआ हिस्सों को हरी खाद में बदल दे। खेती के सभी गतिविधयों को मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए ।
काला चना	स्टेज : तुड़ाई उर्द की फसल के पकते ही उसकी तुड़ाई कर लें। तुड़ाई में देरी न करें, अन्यथा फलियों के फटने के कारण दाल जमीन पर गिर जाते हैं। यदि उर्द की फलियां 80 प्रतिशत पकी हुई है तो फलियों को तोड़ ले और पौधों के बचे हुआ हिस्सों को हरी खाद में बदल दे। खेती के सभी गतिविधयों को मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए ।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आड़ू	स्टेज : तुड़ाई आड़ू, आलूभुखारा और नाशपाती को तोड़कर बाजार में बेचने के लिए तैयार कर ले और खेत को नमी बनाने के लिए सिंचित करते रहे । किसी भी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
कद्दू	स्टेज : तुड़ाई कद्दू वर्गीय फसलों में बेल सुखाने की समस्या को नियंत्रित करने के लिए, काटना और सूखे बेल को नष्ट कर देना चाहिए ।पौधों की जड़ों को कार्बेन्डाज़िम के घोल 0.1% (1 ग्राम प्रति लीटर) की दर से सिंचित करते रहना । खेती की कोई भी गतिविधि पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
अदरक	स्टेज : बुवाई अदरक की छोटी और मध्यम अवधि किस्मों की बुवाई सिंचित परिस्थितियों में जल्द से जल्द पूरी कर लेनी चाहिए ।
हल्दी	स्टेज : बुवाई हल्दी की किस्मों की बुवाई सिंचित परिस्थितियों में जल्द से जल्द पूरी कर लेनी चाहिए ।
मिर्च	चरण: तुड़ाई शीर्ष से डंठल सूखने की समस्या को रोकने के लिए मिर्च की फसल, संक्रमित शाखाओं को तोड़कर निकालें और कार्बेन्डाजिम की घोल का 0.1 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें। मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रसायनों का छिड़काव करें। किसी भी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना बाद जाती है तो इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई दे)। वायरल रोगों को नियंत्रित करने के लिए छिड़काव करें और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । झुलसा रोग से बचने के लिए मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर की दर से या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर की दर से छिड़काव करें । छिड़काव, मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किया जाए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	स्टेज : तुड़ाई मौसम पूर्वानुमान के अनुसार किसानों को पहले से ही फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए । वर्षा के बाद सफेद मक्खी के होने की संभावना होती है जो मोज़ेक वायरस फैलती है इसलिए किसानों को इन स्थितियों पर ध्यान देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। जानवरों को अत्यधिक गर्मी से बचाने के लिए छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारें की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कर रख लेना चाहिए । महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से बचने के लिए , चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा का प्रयोग करें ।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए। भैंसों को पानी में रखना चाहिए।